नकली दवाइयों की पैकिग करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, 28 कट्टों में डेढ़ क्विंटल टैबलेट व पाउडर किया बरामद

मेडिकल स्टोर संचालक के लिए पैकिग का काम करते थे जीजा-साला, दोनों को हिरासत में लिया फोटो-36 जागरण संवाददाता, जींद : सीएम फ्लाइंग व ड्रग विभाग ने मिलकर नकली दवाइयों को पैक करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। फैक्ट्री श्योराण कालोनी में निजी स्कूल के आड़ में पिछले पांच माह से जीजा-साला द्वारा चलाई जा रही थी। फैक्ट्री में एंटीबायोटिक दवाइयों को पैक कर उन्हें सप्लाई किया जा रहा था। फैक्ट्री में दवाइयों को पैक करने के लिए आटोमेटिक मशीनें लगाई गई थी। फैक्ट्री व मशीन जिस भवन में चल रहा था, उसमें बिजली का घरेलू कनेक्शन लिया हुआ था, लेकिन वह कार्मिशियल गतिविधि चली हुई थी। मौके से 28 प्लास्टिक के कट्टों में लगभग डेढ़ क्विंटल से ज्यादा टैबलेट व कैप्सूलों में भरने के लिए पाउडर बरामद हुआ है। ड्रग विभाग ने 11 सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेज दिया है। फैक्ट्री से एंटीबायोटिक दवाई एमोक्सिसिलिन व सफक जीन के पत्ते व रैपर मिले हैं। इनमें ही दवाइयों को पैक किया जा रहा था।

सीएम फ्लाइंग को सूचना मिली थी कि नागरिक अस्पताल के पीछे श्योराण कालोनी में निजी स्कूल परिसर में नकली दवाई पैकिग के लिए फैक्ट्री चल रही है। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी रविद्र कुमार, निरीक्षक राजदीप के नेतृत्व में स्कूल परिसर में दस्तक दी। छापेमारी के दौरान जिला ड्रग कंट्रोलर विजय राजे तथा बिजली निगम के एसडीओ कृष्ण कुमार भी शामिल हुए। स्कूल परिसर के साथ शेड डालकर आटोमैटिक मशीन लगाई गई थी, जिसमे दवाइयों की पैकिग के साथ साथ मूल्य, ब्रांड समेत शामिल था। कट्टों में खुली गोलियां भरी गई थी तो इसी प्रकार कट्टों में खुला दवाइयों का पाउडर भी भरा गया था। काफी मात्रा में विभिन्न ब्रांडों के रेपर, कुछ पर मुम्बई तो कुछ पर बद्दी हिमाचल प्रदेश लिखा गया था। मौके पर पुलिस ने स्कूल संचालक गौरव व उसके साले फैक्ट्री संचालक हाउसिग बोर्ड निवासी रवि को हिरासत में ले लिया। स्कूल संचालक गौरव ने फैक्ट्री की जगह को हाउसिग बोर्ड निवासी उसके साले रवि को साढ़े चार हजार रुपये किराये पर दिया हुआ था और पिछले चार पांच माह से नकली दवाइयों की पैकिग का कार्य चल रहा था। आरोपित रवि ने बताया कि कट्टों में टैबलेट व कैप्सूल पाउडर मेडिकल स्टोर संचालक नमन द्वारा उपलब्ध करवाई जाती थी। बाद में पुलिस ने दोनों को साथ लेकर मेडिकल स्टोर संचालक के ठिकाने पर छापेमारी की, लेकिन वहां से गायब मिला। फैक्ट्री संचालक के पास किसी प्रकार का कोई लाइसेंस या दस्तावेज नहीं पाया गया, जिस पर पुलिस ने स्कूल संचालक तथा फैक्ट्री संचालक को हिरासत में ले लिया। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी रविद्र कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर अवैध ड्रग फैक्टरी पर छापेमारी की गई। दवाइयों को पैकिग कर बाहर सप्लाई किया जा रहा था। किसी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं पाया गया।

Source: https://www.jagran.com/haryana/jind-fake-medicines-packing-factory-busted-one-and-a-half-quintal-tablets-and-powder-recovered-in-28-bags-22872099.html